बाल मित्र जिला टोंक

विद्यालय एवं पुलिस थानों पर बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा टोंक जिले के पीपलू एवं दतवास थाने के विद्यालय को थानों की कार्यप्रणाली समझाने के लिए 23-24 अगस्त 2017 को थानों का भ्रमण एवं विद्यालयों में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उददेश्य बाल संरक्षण विषय पर बच्चों को जगरूक बनाया जाना है। ताकि बच्चें अपने अधिकारों के लिए स्वयं भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा सके।

यदुराज शर्मा, परामर्शद, राजस्थान पुलिस अकादमी ने अकादमी की ओर से टोंक जिला कार्यक्रम के बारे में बताया कि जिले में बाल संरक्षण के लिए बच्चों के साथ संवाद कर पुलिस के प्रति व्याप्त धारणाओं को दूर करने एवं पुलिस थानों की कार्यप्रणाली समझाने के लिए थानों का भ्रमण एवं बाल विषय पर समझ बनाने के लिए विद्यालयों में शिक्षण कार्य करवाये जा रहे है ताकि बच्चे किसी भी अवांछनीय स्थितियों में पुलिस से मदद ले सके ताकि जिले में बालकों के लिए सुरक्षित वातावरण का निर्माण हो सके।

23 जुलाई को पीपलू थाना एवं 24 जुलाई को दत्तवास थाने पर भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों से बालकों के अधिकारों से संबधित प्रश्न पूछे गये जिनके बारे में विद्यार्थियों को कोई पूर्व जानकारी नहीं थी। थानाधिकारी, पीपलू श्री छोटे लाल मीणा एवं थानाधिकारी, दत्तवास श्री छोटीलाल ने विद्यार्थियों को पुलिस अधिकारियों की भूमिकाओं एवं थाने की कार्यवाहियों के बारे में जानकारियां दी तथा विद्यार्थियों के मन में व्याप्त पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए उनके सवालों के जवाब दिये। उन्होने अपने क्षेत्र में बाल संरक्षण के विभिन्न मुददों बाल श्रमिक व बंधुआ बाल श्रमिक, बाल विवाह, बाल शोषण व अत्याचार, बाल तस्करी, कन्या भ्रूण हत्या एवं थाने में बच्चों के अधिकार प्रथम सूचना रिपोर्ट, बच्चों की निरूद्धगी, मुसीबत में मदद के लिए पुलिस द्वारा किये जाने वाले प्रयास एवं यातायात

नियमों आदि के बारे में जानकारियां दी गई। विद्यार्थियों को महिला एवं बाल डेस्क, चाइल्ड लाइन एवं पुलिस कन्ट्रोल रूम के दूरभाष के बारे में जानकारी दी गयी।

पीपलू एवं दत्तवास के विद्यालयों में विद्यार्थियों से संवाद किया गया। उनके साथ आत्म रक्षा के मुददों पर महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए उन्हे बताया गया कि यौन हिंसा एवं दुष्कर्म की घटनाओं से बचने के लिए बालकों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत होना चाहिये। हम स्वयं भी ऐसी घटनाओं के होने की संभावनाओं से अपनी सुरक्षा के प्रति सावचेत रहें। स्वयं द्वारा बचाव के लिए शारीरिक दक्षता एवं बुद्धि कौशल दोनों को काम में लेकर अप्रिय स्थिति होने पर सामना करें । ऐसी किसी भी स्थिति का सामना करने में अपने साथियों की भी मदद करनी चाहिये।

विश्वास शर्मा परामर्शद्, राजस्थान पुलिस अकादमी ने विद्यार्थियों को आत्म रक्षा के लिए सुझाव दिये गये। उन्हे बताया गया कि जब भी घर से निकले अपने परिवार जन को गन्तव्य स्थान एवं आने का समय बतायें। पैदल चलते हुए फोन पर ज्यादा लम्बी बात नहीं करें एवं आगे पीछे देखते हुए रहें कि कोई आपका पिछा तो नहीं कर रहा है। लोगों पर आख बन्द कर विश्वास नहीं करें एंव विवेक से निर्णय लें। विद्यालय के आसपास जारी पुलिस गश्त व्यवस्था, पी.सी.आर वैन एवं मोटर साईकिल गश्ती दल की उपस्थिति इत्यादि के बारे में जानकारी रखे एवं कही भी छेडखानी एवं मनचलों की हरकतें सामने आये तो तत्काल पुलिस गश्त, पुलिस कन्ट्रोल रूम में या पी.सी.आर. वैन इत्यादि को सूचित करें। किसी के साथ भी छेडखानी की घटना होने पर मूकदर्शक नहीं बनकर रहे उनके बचाव हेतु आगे आये एवं दूसरों को भी मदद के लिए पुकारे। आत्म रक्षा के लिए सेल्फ डिफेन्स कोर्सेज-ताईक्वान्डो, कूंग फू, इत्यादि में रूचि ले, सुरक्षा टिप्स सीखें एवं अन्य बालिकाओं को इसके बारे में जानकारी दें। पीपलू एवं दत्तवास पुलिस थानों पर 75 विद्यार्थियों शैक्षिक भ्रमण एवं दोनों स्थानीय विद्यालयों के 180 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्था प्रधानाचार्य सहित सभी शिक्षक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में शिक्षकों को सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।